मनमोहन खेल रहे होली

मनमोहन खेल रहे होली मनमोहन,
हारे मनमोहन हमबे मनमोहन,
खेल रहे होली मनमोहन,
मनमोहन खेल रहे होली मनमोहन……

कोई बचा न कुन्ज गली में,
हां वारे रसिया हो वारे रसिया,
ऐसी मोहन की टोली हा ओ मनमोहन,
मनमोहन खेल रहे होली मनमोहन……

कोई बना है रंग रंगीला,
हां वारे रसिया हो वारे रसिया,
उड़े गुलाल माले रोली हा ओ मनमोहन,
मनमोहन खेल रहे होली मनमोहन.....

चुनार भीग गयी सखियाँ की,
हां वारे रसिया हो वारे रसिया,
चुनार भीग गयी सखियाँ की,
मनमोहन खेल रहे होली मनमोहन.....

हो अबीर गुलाल फीट में कसके,
हां वारे रसिया हो वारे रसिया,
मारत भर भर के झोली हा ओ मनमोहन,
मनमोहन खेल रहे होली मनमोहन.....

स्वर : श्री गौरव कृष्ण गोस्वामी जी महाराज

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/30992/title/manmohan-khel-rahe-holi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |